Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

24 सितम्बर 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. PM नरेंद्र मोदी 20 सितंबर, 2025 को गुजरात और भारत में 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

20 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए गुजरात आए। इन परियोजनाओं में बंदरगाह, ऊर्जा, स्वास्थ्य, राजमार्ग, विरासत और औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें राष्ट्रव्यापी समुद्री पहलों के साथ-साथ गुजरात पर विशेष ध्यान दिया गया है।

• प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में "समुद्र से समृद्धि" कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बंदरगाह-आधारित आर्थिक विकास, समुद्री संपर्क और औद्योगिक विकास तथा विरासत-आधारित प्रगति के केंद्र के रूप में गुजरात की बढ़ती भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला।

• गुजरात भर में, प्रधानमंत्री मोदी ने 26,354 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएँ भावनगर, धोलेरा, लोथल, सोमनाथ, वडोदरा और कच्छ में बुनियादी ढाँचे, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, राजमार्ग और विरासत विकास सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं।

• PM मोदी ने छारा पोर्ट (सोमनाथ) में हिंदुस्तान पेट्रोलियम द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (HPLNG) पुनर्गैसीकरण टर्मिनल, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) रिफाइनरी (वडोदरा) में एक्रिलिक और ऑक्सो अल्कोहल परियोजना, 45 मेगावाट (MW) बडेली सौर फोटो वोल्टेइक (PV) परियोजना और कच्छ में पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित धोरडो गांव का उद्घाटन किया, जिसे संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता दी है।

Key Points:-

(i) भावनगर में 5,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इनमें दुनिया के पहले संपीड़ित प्राकृतिक गैस (CNG) टर्मिनल की आधारशिला, एक ब्राउनफील्ड बंदरगाह का विकास और सर टी. जनरल अस्पताल का विस्तार शामिल है। इन सभी का उद्देश्य बंदरगाह सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना है।

(ii) प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे भारत में 7,870 करोड़ रुपये से अधिक की समुद्री परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) के अंतर्गत 66,025 करोड़ रुपये मूल्य के 21 समझौता ज्ञापनों (MoU) का भी लोकार्पण किया।

(iii) एक प्रमुख आकर्षण मुंबई इंटरनेशनल क्रूज़ टर्मिनल (MICT) का उद्घाटन था, जो भारत का सबसे बड़ा क्रूज़ टर्मिनल है, जिसका निर्माण महाराष्ट्र के मुंबई में इंदिरा डॉक पर 556 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

2. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मेक इन इंडिया के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में छह प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया और भारत का पहला रंगीन सिक्का जारी किया।

सितंबर 2025 में, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (MoC&I)) ने छह प्रमुख पहलों का शुभारंभ किया और मेक इन इंडिया पहल की 10वीं वर्षगांठ मनाते हुए 100 रुपये का स्मारक सिक्का, भारत का पहला रंगीन सिक्का जारी किया।

- **इन पहलों का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स दक्षता, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देना है।**

- **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के लिए राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (NCAER) द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में प्रति टन-किलोमीटर माल ढुलाई लागत सहित परिवहन के तरीके, उत्पाद के प्रकार और फर्म के आकार के आधार पर रसद लागत का अनुमान लगाया गया है।**

- **एशियाई विकास बैंक (ADB) के समर्थन से DPIIT, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा विकसित IPRS 3.0 प्रदर्शन के आधार पर औद्योगिक पार्कों की रैंकिंग करके प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है और इसका उद्देश्य भारत के औद्योगिक बुनियादी ढांचे के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।**

Key Points:-

(i) NICDC लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज (NLDSL) द्वारा निर्मित, LDB 2.0 वास्तविक समय निर्यात कंटेनर ट्रैकिंग और मल्टीमॉडल शिपमेंट दृश्यता प्रदान करता है।

(ii) यह वार्षिक सर्वेक्षण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) में लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। लीड्स 2025 ने राज्यों की लॉजिस्टिक्स क्षमता के मानकीकरण के लिए नई सुविधाएँ पेश कीं, जो भारत के वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स केंद्र बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

(iii) पीयूष गोयल ने 31 मंत्रालयों और विभागों के 12,167 हार्मोनाइज़्ड सिस्टम ऑफ़ नोमेनक्लेचर (HSN) कोडों की एक गाइडबुक जारी की। भारत सरकार ने एशियाई विकास बैंक (ADB) के सहयोग से SMILE (आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े लोगों के लिए सहायता) कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य और नगर रसद योजनाएँ (S&CLP) भी शुरू कीं, जिसकी शुरुआत आठ राज्यों के आठ शहरों से हुई।

3. उपभोक्ता मामले विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर समर्पित GST शिकायत श्रेणी शुरू की।

सितंबर 2025 में, उपभोक्ता मामले विभाग (DOCA), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (MoCAF&PD) ने अगली पीढ़ी के GST सुधार 2025 से पहले उपभोक्ता शिकायतों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (NCH) पर

एक समर्पित वस्तु एवं सेवा कर (GST) शिकायत श्रेणी शुरू की, जो 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी।

• शिकायत पंजीकरण और समाधान को सुव्यवस्थित करने के लिए एनसीएच के तहत एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र (INGRAM) पोर्टल पर GST से संबंधित उपभोक्ता शिकायतों के लिए एक समर्पित श्रेणी शुरू की गई है।

• GST शिकायत श्रेणी में ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, ई-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स), फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG) और अन्य संबंधित उद्योगों सहित प्रमुख क्षेत्रों से शिकायतें शामिल हैं।

Key Points:-

(i) उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1915, एनसीएच ऐप, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, SMS, ईमेल और उमंग (न्यू-एज गवर्नेंस के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन) ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

(ii) शिकायतें हिंदी, अंग्रेजी, कश्मीरी, पंजाबी, नेपाली, गुजराती, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, मलयालम, मैथिली, संथाली, बंगाली, उड़िया, असमिया और मणिपुरी सहित 17 भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में से किसी में भी दर्ज की जा सकती हैं।

(iii) पारदर्शी ट्रैकिंग के लिए प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट डॉकेट नंबर दिया जाता है। जवाबदेही और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए डेटा कंपनियों, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) और अन्य प्राधिकरणों के साथ साझा किया जाता है।

4. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिपुरा में प्रसाद योजना के तहत पुनर्विकसित 524 साल पुराने माता त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का उद्घाटन किया।

22 सितंबर, 2025 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उदयपुर, त्रिपुरा में 51 शक्तिपीठों में से एक, पुनर्विकसित माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर का उद्घाटन किया। यह परियोजना PRASHAD (तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान) योजना के तहत ₹54 करोड़ से अधिक की लागत से क्रियान्वित की गई है।

• 54 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास परियोजना को संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया गया, जिसमें 34.43 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा और 17.61 करोड़ रुपये पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत त्रिपुरा सरकार द्वारा दिए गए।

• यह PM मोदी की त्रिपुरा की 11वीं यात्रा और 2014 के बाद से मंदिर की उनकी दूसरी यात्रा थी। उन्होंने 12 किलोमीटर के रोड शो में भाग लिया, पूजा की और राज्यपाल इंद्र सेना रेड्डी नल्लू और सीएम माणिक साहा के साथ मंदिर के इतिहास और शाही परंपराओं पर एक प्रदर्शनी का दौरा किया।

• महाराजा धन्य माणिक्य द्वारा 1501 में निर्मित, यह मंदिर पवित्रतम शक्तिपीठों में से एक है। इसका गर्भगृह बंगाली एक-रत्न शैली में निर्मित है और कछुए के कूबड़ के आकार की एक पहाड़ी पर स्थित है, जिसे कूर्म पीठ के नाम से जाना जाता है। इसमें देवी त्रिपुर सुंदरी और देवी चंडी की दो काले पत्थर की मूर्तियाँ स्थापित हैं।

Key Points:-

(i) यह मंदिर अपने वार्षिक दिवाली मेले के लिए प्रसिद्ध है जहाँ लाखों श्रद्धालु आते हैं। पुनर्विकास के साथ, प्रतिदिन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 3,000-3,500 से बढ़कर 5,000-7,000 हो जाने का अनुमान है, जिससे स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा मिलेगा और होटल व्यवसायियों, गाइडों, ट्रांसपोर्टरों और विक्रेताओं को लाभ होगा।

(ii) प्रसाद के रूप में चढ़ाई जाने वाली मिठाई, माताबारी पेड़ा, को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिलने से मंदिर की सांस्कृतिक पहचान को एक बड़ा बढ़ावा मिला है। इससे मंदिर की विरासत में इज़ाफ़ा हुआ है और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान और मज़बूत हुई है।

INTERNATIONAL

1. भारत और ग्रीस ने भूमध्य सागर में पहला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास किया।

भारतीय नौसेना (IN) और हेलेनिक नौसेना (HN) के बीच पहला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 13 से 18 सितंबर, 2025 तक ग्रीस के सलामिस नौसेना बेस और भूमध्य सागर में आयोजित किया गया, जो भारत और ग्रीस के बीच रक्षा सहयोग और रणनीतिक समुद्री साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

• भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व INS त्रिकंद, एक निर्देशित मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट द्वारा किया गया, जबकि हेलेनिक नौसेना ने HS थेमिस्टोकल्स, एक एली-क्लास फ्रिगेट के साथ भाग लिया, जिससे द्विपक्षीय नौसैनिक अंतर-संचालन और परिचालन परिचितता में वृद्धि हुई।

• इस चरण में क्रॉस-डेक दौरे, चालक दल के सदस्यों के बीच पेशेवर बातचीत और एचएस थेमिस्टोकल्स पर प्री-सेल सम्मेलन शामिल था।

• INS त्रिकंद पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें भारतीय राजदूत रुद्रेंद्र टंडन ने भाग लिया और इसमें एक्रोपोलिस की पवित्र चट्टान का दौरा भी शामिल था।

Key Points:-

(i) समुद्र में आयोजित सामरिक अभ्यासों में रात्रिकालीन भ्रमण, बोर्ड, खोज और जब्ती (VBSS) ऑपरेशन, समुद्र में पुनःपूर्ति प्रक्रिया, संयुक्त पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) ऑपरेशन, समन्वित गोलाबारी अभ्यास और क्रॉस-डेक हेलीकॉप्टर ऑपरेशन शामिल थे।

(ii) इस अभ्यास से समुद्री सुरक्षा सहयोग मजबूत हुआ, परिचालन समन्वय बढ़ा और नौसेना प्रक्रियाओं की आपसी समझ को बढ़ावा मिला, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान मिला और भारत-ग्रीस रक्षा संबंध प्रगाढ़ हुए।

2. BBJN उच्च सागर संधि 60 अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 17 जनवरी 2026 को लागू होगी।

19 सितंबर, 2025 को, राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों में समुद्री जैविक विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र (UN) समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS) के तहत समझौते (BBNJ समझौता) को 60 अनुसमर्थन प्राप्त हुए, जिसके बाद मोरक्को का स्थान रहा। यह संधि, जिसे उच्च सागर संधि भी कहा जाता है, आधिकारिक तौर पर 17 जनवरी 2026 को लागू होगी।

- **BBJN संधि, उच्च-समुद्री जैव विविधता (महासागरों के दो-तिहाई हिस्से को कवर करने वाली) के लिए पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी ढांचा है, जो समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (MPAs), पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA), समुद्री आनुवंशिक संसाधनों के समान लाभ-साझाकरण और वैज्ञानिक सहयोग पर केंद्रित है।**

- **सितंबर 2025 तक, BBNJ समझौते पर 145 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं और 61 देशों ने इसका अनुसमर्थन किया है, जिसमें मोरक्को सबसे नया अनुसमर्थनकर्ता है। इस संधि के प्रभावी होने के लिए 60 देशों की अनुसमर्थन सीमा आवश्यक है।**

Key Points:-

(i) भारत ने समुद्री जैव विविधता संरक्षण के लिए समर्थन प्रदर्शित करते हुए 25 सितंबर, 2024 को बीबीएनजे संधि पर हस्ताक्षर किए, लेकिन अभी तक अनुसमर्थन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

(ii) 60वें अनुसमर्थन के बाद, यह संधि कानूनी प्रवर्तन के लिए न्यूनतम सीमा को पूरा करने के 120 दिन बाद 17 जनवरी 2026 को लागू होगी, जिससे देशों को इसके प्रावधानों को लागू करने की अनुमति मिल जाएगी।

(iii) BBJN संधि अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जो उच्च समुद्री जैव विविधता के संरक्षण, सतत उपयोग को विनियमित करने और सभी देशों के लिए समान लाभ-साझाकरण सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करती है, जिससे वैश्विक समुद्री पर्यावरणीय शासन को मजबूती मिलती है।

3. ICAR ने द्विपक्षीय नवाचार और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एग्रीटेक में मैत्री 2.0 ब्राजील-भारत क्रॉस-इन्क्यूबेशन कार्यक्रम शुरू किया।

सितंबर 2025 में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने नई दिल्ली में ब्राज़ील-भारत क्रॉस-इन्क्यूबेशन प्रोग्राम इन एग्रीटेक का दूसरा संस्करण, मैत्री 2.0, लॉन्च किया। इस पहल का उद्देश्य नवाचार-संचालित विकास, कृषि-तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना और भारत-ब्राज़ील कृषि साझेदारी को मज़बूत करना है।

- **मैत्री 2.0 को इनक्यूबेटर संपर्कों को मज़बूत करने, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने और कृषि**

प्रौद्योगिकी में सह-इन्क्यूबेशन को बढ़ावा देने के लिए एक द्वि-मार्गी शिक्षण और सह-निर्माण मंच के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजिटल तकनीकों, सतत कृषि और मूल्य-श्रृंखला विकास पर केंद्रित है।

• इस शुभारंभ समारोह में डॉ. एम.एल. जाट, सचिव (DARE) एवं महानिदेशक (ICAR), केनेथ नोब्रेगा, भारत में ब्राजील के राजदूत, ICAR के वरिष्ठ अधिकारी तथा ब्राजील के अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे, जो उच्च स्तरीय द्विपक्षीय सहयोग को दर्शाता है।

• डॉ. जाट ने 77 वर्षों से चली आ रही भारत-ब्राज़ील कृषि साझेदारी और ब्रिक्स व जी20 में उनकी साझा भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने हाल ही में हुए ICAR-एम्ब्रापा समझौता ज्ञापन को कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने में एक मील का पत्थर बताया, जिससे उनकी रणनीतिक साझेदारी और मज़बूत हुई।

Key Points:-

(i) ICAR ने 1996 में मात्र 74 पेटेंट जारी करने से आज प्रतिवर्ष 1,800 से अधिक पेटेंट जारी करने का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, जिसे इनक्यूबेशन केंद्रों और 5,000 से अधिक लाइसेंसिंग समझौतों का समर्थन प्राप्त है।

(ii) यह अंतिम उपयोगकर्ताओं तक सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित नवाचार पहुंचाने और 400 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स को समर्थन देने में आईसीएआर की मजबूत भूमिका को दर्शाता है।

(iii) राजदूत नोब्रेगा ने कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा में तालमेल बनाने के लिए मैत्री 2.0 को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया, जबकि ICAR के अधिकारियों ने कृषि को आजीविका और व्यवसाय दोनों के रूप में देखने की आवश्यकता पर बल दिया।

MOUs and Agreement

1. ग्रामीण विकास मंत्रालय ने DAY-NRLM हस्तक्षेपों को मजबूत करने के लिए NIRD&PR और चार राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सितंबर 2025 में, ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के तहत हस्तक्षेप को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (NIRD&PR) और आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड और तेलंगाना के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (SRLMs) के साथ पांच समझौता ज्ञापनों (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

• समझौता ज्ञापन पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव टी.के. अनिल कुमार, NRLM संसाधन प्रकोष्ठ, NIRD&PR की निदेशक डॉ. वनीश्री जोसेफ और चार SRLMs के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए।

• समझौता ज्ञापनों का प्राथमिक उद्देश्य सामुदायिक संस्थाओं को बढ़ाना, आजीविका के अवसरों में सुधार करना, डिजिटल नवाचारों को बढ़ावा देना और DAY-NRLM के तहत ग्रामीण परिवारों के लिए सामाजिक समावेशन को गहरा करना है।

• NIRD&PR ग्रामीण विकास हस्तक्षेपों को बढ़ाने के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, संसाधन पूल के निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं के व्यवस्थित दस्तावेजीकरण के माध्यम से रणनीतिक और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

Key Points:-

(i) डिजिटलीकरण और ग्रामीण आजीविका नवाचारों में अग्रणी भूमिका के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड और तेलंगाना के SRLMs को राष्ट्रीय संसाधन संगठन (NROs) के रूप में नामित किया गया है।

(ii) यह सहयोग लोकओएस (लोक = लोग, OS = ऑपरेटिंग सिस्टम) प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर डिजिटल शासन और आजीविका संबंधों को मजबूत करेगा, जिससे स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और उनके संघों में संचालन को सुव्यवस्थित करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

2. IIT कानपुर और वियतनाम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सितंबर 2025 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर, उत्तर प्रदेश और वियतनाम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (VNU) ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

• इस समझौते को VNU के एक प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें डॉ. गुयेन थू हुआंग (वाइस रेक्टर), प्रो. गुयेन दिन्ह डुक (डीन, सिविल इंजीनियरिंग संकाय) और डॉ. ट्रान क्रोक क्रान (व्याख्याता) शामिल थे।

• यह समझौता IIT कानपुर और VNU के बीच पारस्परिक आधार पर सहयोगात्मक अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैज्ञानिक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक औपचारिक ढांचा स्थापित करता है।

• यह समझौता ज्ञापन स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), बुनियादी ढांचे की निगरानी, सामग्री विज्ञान नवाचारों और ड्रोन प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान और तकनीकी विकास को आगे बढ़ाना है।

Key Points:-

(i) यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान परियोजनाओं, शैक्षणिक आदान-प्रदान और विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में वैज्ञानिक विकास कार्यक्रमों सहित संयुक्त पहलों को औपचारिक रूप देता है, जिससे दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

(ii) IIT कानपुर और VNU दोनों के शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और छात्रों को उन्नत ज्ञान आदान-प्रदान, उन्नत शोध पद्धतियों से परिचित होने और नवाचार-संचालित सहयोग के अवसरों का लाभ मिलेगा।

3. NTPC लिमिटेड ने विद्युत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए सऊदी बिजली कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सितंबर 2025 में, एनटीपीसी लिमिटेड, पूर्व में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और एक भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) ने बिजली क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए सऊदी इलेक्ट्रिसिटी कंपनी (SEC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

- **इस समझौते पर NTPC के महाप्रबंधक और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास प्रमुख डॉ. जतिंदर सिंह चंडोक और SEC के कार्यकारी उपाध्यक्ष (जनरेशन) इंजीनियर अब्दुलरहमान अलरहाइमी ने हस्ताक्षर किए।**

- **समझौता ज्ञापन विद्युत संयंत्र संचालन एवं रखरखाव, आधुनिकीकरण, विकास, खरीद, इंजीनियरिंग सेवाओं और परियोजना प्रबंधन में सहयोग पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य विद्युत उत्पादन में दक्षता और तकनीकी मानकों में सुधार करना है।**

- **समझौते की एक प्रमुख विशेषता NTPC और SEC के बीच एक संयुक्त उद्यम (JV) कंपनी का निर्माण है, जो मध्य पूर्व में विद्युत संयंत्र सेवाएं प्रदान करेगी, जिससे परिचालन, निवेश और तकनीकी विशेषज्ञता पर सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।**

Key Points:-

(i) यह समझौता ज्ञापन नई विद्युत परियोजनाओं में संरचित ज्ञान विनिमय कार्यक्रमों और संयुक्त निवेश पहलों को बढ़ावा देता है, तथा दोनों कंपनियों के बीच अनुसंधान, नवाचार और परियोजना निष्पादन क्षमताओं को बढ़ाता है।

(ii) यह सहयोग भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल और सऊदी अरब के विजन 2030 के अनुरूप है, जो आर्थिक विविधीकरण का समर्थन करता है, गैर-तेल क्षेत्रों को मजबूत करता है और बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा विकास को आगे बढ़ाता है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. अमिता चौधरी को सतत बीमा के लिए UNEP FI सिद्धांतों की अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वे वैश्विक बोर्ड का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला बनीं।

सितंबर 2025 में, संयुक्त राष्ट्र (UN) ने अमेरिकन इंटरनेशनल एश्योरेंस कंपनी (AIA) में सस्टेनेबिलिटी की समूह प्रमुख अमिता चौधरी को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्तीय पहल (UNEP FI) के सतत बीमा सिद्धांतों (PSI) का अध्यक्ष नियुक्त किया। वह वैश्विक सतत बीमा बोर्ड का नेतृत्व करने वाली भारतीय मूल की पहली महिला बनीं।

- **अमिता चौधरी को सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और भारत में 20 से ज़्यादा वर्षों का नेतृत्व अनुभव है। उन्हें वैश्विक संगठनों में स्थिरता, विविधता और**

व्यावसायिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

• 2021 से, अमिता ने एआईए की स्थिरता रणनीति का नेतृत्व किया है, जिसमें पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) विचारों को संचालन और निवेश में एकीकृत किया गया है, जिससे जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को बल मिला है।

• AIA में शामिल होने से पहले, उन्होंने यूनिलीवर में सतत व्यापार और विविधता के लिए वैश्विक निदेशक के रूप में कार्य किया, संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट में स्थिरता के लिए वरिष्ठ सलाहकार थीं, और जनवरी 2024 से PSI की बोर्ड सदस्य और उपाध्यक्ष थीं।

Key Points:-

(i) UNEP FI के तहत 2012 में स्थापित सतत बीमा के सिद्धांत (PSI), एक वैश्विक शासन निकाय है जो सतत बीमा प्रथाओं की देखरेख करता है।

(ii) PSI बोर्ड में अधिकतम 15 सदस्य होते हैं, जिनमें PSI हस्ताक्षरकर्ता संस्थानों से चुने गए अधिकतम 14 वरिष्ठ अधिकारी होते हैं, जो पहल की रणनीतिक दिशा का मार्गदर्शन करते हैं।

SPORTS

1. 20वीं विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 टोक्यो, जापान में आयोजित; अमेरिका पदक तालिका में शीर्ष पर।

20वां संस्करण विश्व एथलेटिक्स (WA) चैंपियनशिप हाल ही में जापान के राष्ट्रीय स्टेडियम, टोक्यो, जापान में 13 से 21 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया। इस चैंपियनशिप में 49 एथलेटिक्स इवेंट्स आयोजित हुए, जिसमें 198 देशों के एथलीटों ने भाग लिया और ट्रैक और फील्ड में विश्व के शीर्ष प्रतिभाओं का प्रदर्शन देखने को मिला।

• चैंपियनशिप जापान के राष्ट्रीय स्टेडियम, टोक्यो में आयोजित की गई, जो कि जापान द्वारा तीसरी बार होस्ट की गई चैंपियनशिप थी (1991 और 2007 के संस्करण के बाद)। स्टेडियम में विश्व-स्तरीय एथलेटिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो विभिन्न ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं जैसे स्प्रिंट, दूरी दौड़, जम्प, थ्रो और रिले इवेंट्स के लिए सक्षम है।

• इस आयोजन में 198 देशों के 2,202 एथलीटों ने भाग लिया। प्रतियोगियों ने 49 इवेंट्स में भाग लिया, जिनमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के ट्रैक, फील्ड और सम्मिलित इवेंट्स शामिल थे, जो गति, सहनशीलता, ताकत और कौशल की परीक्षा लेते हैं।

• एथलीटों ने 2025 संस्करण के लिए क्वालीफाई किया, जो कि गुआंगझोउ, चीन में आयोजित 2025 वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले के माध्यम से हुआ। प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष 14 रिले टीमों ने टोक्यो चैंपियनशिप के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की, जिससे रिले इवेंट्स में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हुई।

Key Points:-

(i) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) ने चैंपियनशिप में दबदबा बनाया और मेडल तालिका में पहले स्थान पर रहा, कुल 26 मेडल हासिल किए: 16 गोल्ड, 5 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज। केन्या ने 11 मेडल (7 गोल्ड, 2 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज) के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि कनाडा ने 6 मेडल (3 गोल्ड, 1 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज) के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मेज़बान देश जापान ने 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते और कुल मिलाकर 40वें स्थान पर रहा।

(ii) भारत ने हाई जंप में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब सर्वेश अनिल कुशारे ने पुरुषों के हाई जंप फाइनल में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.28 मीटर के साथ 6वां स्थान प्राप्त किया। वे विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुँचने वाले पहले भारतीय हाई जंपर बने, जो देश की वैश्विक एथलेटिक्स में उभरती उपस्थिति को दर्शाता है।

(iii) 21वां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 में बीजिंग, चीन में आयोजित किया जाएगा। बढ़ती वैश्विक भागीदारी और भारत जैसे देशों के बेहतर प्रदर्शन के साथ, यह आयोजन उभरती प्रतिभाओं और स्थापित एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

2. 73वीं इनलाइन स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 बेइदाईहे, चीन में आयोजित की गई।

इनलाइन स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप का 73वां संस्करण हाल ही में वर्ल्ड स्केट द्वारा आयोजित किया गया था और 13 से 21 सितंबर, 2025 तक चीन के बेइदाईहे में आयोजित किया गया था। चैंपियनशिप में ट्रैक और रोड दोनों प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जिसमें 40 से अधिक देशों ने भाग लिया।

- **यह चैंपियनशिप बेइदाईहे इंटरनेशनल रोलर स्केटिंग सेंटर में आयोजित की गई, जिसमें 200 मीटर का इनडोर ट्रैक और एक आउटडोर रोड सर्किट शामिल है। विभिन्न खेलों में गति और सहनशक्ति का परीक्षण करने के लिए ट्रैक और रोड दोनों ही स्पर्धाएँ आयोजित की गईं।**

- **इस संस्करण में 40 से ज़्यादा देशों ने भाग लिया। रूस और बेलारूस के एथलीटों और अधिकारियों को मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य प्रभावित होने के कारण प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया गया था।**

- **कोलंबिया ने चैंपियनशिप में अपना दबदबा बनाए रखा और 20 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 44 पदकों के साथ समग्र पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इटली 18 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, उसके बाद चिली (6), इक्वाडोर (4) और भारत (5) का स्थान रहा।**

Key Points:-

(i) भारत ने चैंपियनशिप में अपना अब तक का

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने कई पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे इनलाइन स्पीड स्केटिंग में देश की बढ़ती ताकत का पता चलता है।

(ii) प्रमुख भारतीय प्रदर्शनकर्ताओं में आनंदकुमार वेलकुमार शामिल थे, जिन्होंने सीनियर पुरुष 1000 मीटर और 42 किलोमीटर मैराथन में स्वर्ण और 500 मीटर स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता। कृष शर्मा ने जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अनीश राज ने जूनियर वन-लैप रोड स्प्रिंट में कांस्य पदक जीता। ये प्रदर्शन इस खेल में भारत की उभरती प्रतिभा को रेखांकित करते हैं।

3. मैक्स वेरस्टैपेन ने बाकू में F1 अज़रबैजान ग्रां प्री 2025 का आठवाँ संस्करण जीता।

परिचय: 21 सितंबर, 2025 को, ऑस्ट्रिया स्थित रेड बुल रेसिंग का प्रतिनिधित्व करने वाले बेल्जियम-डच ड्राइवर मैक्स वेरस्टैपेन ने अज़रबैजान के बाकू सिटी सर्किट में आयोजित फॉर्मूला वन (F1) अज़रबैजान ग्रां प्री (GP) का आठवाँ संस्करण जीता, जिसे आधिकारिक तौर पर कतर एयरवेज F1 अज़रबैजान GP 2025 नाम दिया गया।

• यह जीत वेरस्टैपेन की 2025 में लगातार दूसरी और इस सीज़न में इटैलियन GP, एमिलिया रोमाग्ना GP और जापानी GP के बाद उनकी कुल मिलाकर चौथी जीत थी।

• वेरस्टैपेन ने अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम हासिल किया, जिसमें उन्होंने पोल से शुरुआत की, सभी 51 लैप्स में सबसे आगे रहे, रेस जीती और सबसे तेज़ लैप दर्ज किया - 2024 बहरीन GP के बाद उनका पहला ग्रैंड स्लैम।

• इसके साथ ही, वेरस्टैपेन ने लुईस हैमिल्टन के 6 करियर ग्रैंड स्लैम की बराबरी कर ली, जिससे वह F1 इतिहास में जिम क्लार्क के 8 ग्रैंड स्लैम के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए।

Key Points:-

(i) जॉर्ज रसेल (मर्सिडीज, UK) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कार्लोस सैंज जूनियर (फेरारी, स्पेन) तीसरे स्थान पर रहे, जो 2021 बेल्जियम जीपी के बाद विलियम्स का पहला पोडियम फिनिश था।

(ii) मैकलारेन को संघर्ष करना पड़ा क्योंकि ऑस्कर पियास्त्री (ऑस्ट्रेलिया) लैप 1 पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जो 2023 US GP के बाद उनका पहला रिटायरमेंट था, जबकि टीम के साथी लैंडो नॉरिस 7वें स्थान पर रहे और ड्राइवर्स चैंपियनशिप में अपने घाटे को कम किया।

(iii) बाकू सिटी सर्किट, जिसने पहली बार 2016 में यूरोपीय JP के रूप में ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी की थी, में 2025 संस्करण के लिए 306.049 किमी की कुल दौड़ दूरी के साथ 6.003 किमी का ट्रैक था।

AWARDS

1. मोहनलाल को 2023 के लिए 55वां दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलेगा।

सितंबर 2025 में, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (MIB) ने घोषणा की कि महान मलयालम अभिनेता और पद्म पुरस्कार विजेता मोहनलाल विश्वनाथन नायर को 2023 के प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जो सिनेमा में भारत का सर्वोच्च सम्मान है।

• मोहनलाल दादा साहब फाल्के पुरस्कार के 55वें प्राप्तकर्ता बन गए हैं, जिन्हें भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। 2004 में प्रशंसित फिल्म निर्माता अदूर गोपालकृष्णन के बाद, वह यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले दूसरे मलयालम फिल्म व्यक्तित्व हैं।

• दादा साहब फाल्के पुरस्कार की स्थापना 1969 में भारत सरकार द्वारा धुंडीराज गोविंद फाल्के, जिन्हें दादा साहब फाल्के के नाम से भी जाना जाता है, के भारतीय सिनेमा में योगदान के उपलक्ष्य में की गई थी। इसे भारतीय फिल्म जगत का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है।

Key Points:-

(i) धुंडीराज गोविंद फाल्के, जिन्हें भारतीय सिनेमा के जनक के रूप में याद किया जाता है, ने 1913 में भारत की पहली पूर्ण-लंबाई वाली फीचर फिल्म "राजा हरिश्चंद्र" का निर्देशन किया, जिसने भारतीय फिल्म उद्योग की नींव रखी।

(ii) 2024 में, दिग्गज अभिनेता से राजनेता बने और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता मिथुन चक्रवर्ती को वर्ष 2022 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे वे इस सम्मान के 54वें प्राप्तकर्ता बन गए।

2. CSB के मेरा रेशम-मेरा अभिमान कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश ने 'सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार' जीता।

सितंबर 2025 में, आंध्र प्रदेश (AP) को कपड़ा मंत्रालय (MoT) के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, केंद्रीय रेशम बोर्ड (CSB) की प्रमुख पहल "मेरा रेशम-मेरा अभिमान" के तहत प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार ने राज्य भर में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और रेशम किसानों को सहयोग देने में आंध्र प्रदेश के अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता दी।

• यह पुरस्कार कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित केंद्रीय रेशम बोर्ड (CSB) के 76वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें भारत के कपड़ा क्षेत्र को मजबूत करने में रेशम उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

• यह पुरस्कार वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त सचिव पद्मिनी सिंगला, CSB के सदस्य सचिव शिवकुमार और संसद सदस्य (लोकसभा) एवं सीएसबी की सदस्य अंबिका लक्ष्मीनारायण द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

Key Points:-

(i) आंध्र प्रदेश सरकार ने CSB वैज्ञानिकों और जिला स्तरीय रेशम उत्पादन अधिकारियों के साथ मिलकर श्री सत्य साईं, चित्तूर, अन्नामय्या, अनंतपुर और प्रकाशम सहित जिलों में जागरूकता अभियान आयोजित किए, जिससे कोकून उत्पादन में वृद्धि हुई और नए किसानों को शहतूत की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

(ii) मेरा रेशम-मेरा अभिमान CSB की एक प्रमुख पहल है जो रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने में राज्यों के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देती है, जिसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, रेशम उत्पादकता में सुधार करना और रेशम किसानों के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित करना है।

(iii) इससे पहले अगस्त 2025 में, आंध्र प्रदेश के रेशम उत्पादन विभाग ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार भी जीता था, जो रेशम उत्पादन और रेशम विकास के क्षेत्र में राज्य की निरंतर उपलब्धियों को दर्शाता है।

IMPORTANT DAYS

1. अंतर्राष्ट्रीय लाल पांडा दिवस (IRPD) 2025 - 20 सितंबर को मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय लाल पांडा दिवस (IRPD) हर वर्ष सितम्बर के तीसरे शनिवार को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विलुप्तप्राय लाल पांडा, जो पहला पांडा प्रजाति है, के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। वर्ष 2025 का आयोजन 20 सितम्बर 2025 को मनाया गया। इससे पूर्व 2024 का आयोजन 21 सितम्बर को हुआ था, जबकि अगला IRPD 19 सितम्बर 2026 को मनाया गया।

• अंतर्राष्ट्रीय लाल पांडा दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में रेड पांडा नेटवर्क (RPN) द्वारा की गई थी और इसका पहला आयोजन 18 सितम्बर 2010 को हुआ। तब से इसे हर साल वैश्विक जागरूकता अभियान के रूप में मनाया जाता है।

• लाल पांडा (Ailurus fulgens), जिसे पहला पांडा या मूल पांडा भी कहा जाता है, एक छोटा स्तनधारी है जो नेपाल, भारत, भूटान, म्यांमार और दक्षिण-पश्चिम चीन सहित पूर्वी हिमालय का मूल निवासी है। यह प्रजाति 2400 से 3900 मीटर की ऊँचाई वाले समशीतोष्ण चौड़ी पत्तियों वाले जंगलों में पाई जाती है।

• वर्गीकरण की दृष्टि से लाल पांडा अनोखे ऐलुरिडे (Ailuridae) परिवार से संबंधित है और इसे फायरफॉक्स, लेसर पांडा या रेड-कैट-बेयर के नाम से भी जाना जाता है। इसे सबसे पहले फ्रांसीसी प्राणी वैज्ञानिक फ्रेडरिक क्यूवियर ने 1825 में वर्णित किया था, जो कि विशाल पांडा के वैज्ञानिक रूप से दर्ज होने से कई दशक पहले है।

Key Points:-

(i) यह प्रजाति IUCN रेड लिस्ट में 'संकटग्रस्त' श्रेणी में सूचीबद्ध है और भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के अंतर्गत कानूनी रूप से संरक्षित है। यह सिक्किम का राज्य पशु भी है। वर्तमान में जंगली लाल पांडा की संख्या 10,000 से कम है और इनके लिए आवास का नष्ट होना सबसे बड़ा खतरा है।

(ii) लाल पांडा की दो प्रजातियाँ मानी जाती हैं। ऐलुरस फुलजेंस (Ailurus fulgens) नेपाल, पूर्वोत्तर भारत

(पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिम अरुणाचल प्रदेश), भूटान और दक्षिणी तिब्बत में पाई जाती है। ऐलुरस फुलजेंस स्टायनी (Ailurus fulgens styani), जो हिमालयी लाल पांडा से बड़ी और अधिक चमकीली होती है, पूर्वी अरुणाचल प्रदेश, म्यांमार और चीन के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।

(iii) लाल पांडा वृक्षवासी स्तनधारी हैं जिनका घना लाल-भूरा फर, काला पेट और लाल, पीले या काले छल्लों वाली लंबी झबरीली पूंछ होती है। ये अपने जीवन का लगभग 55 प्रतिशत समय पेड़ों पर सोते हुए बिताते हैं और पूरी तरह से जंगल पर निर्भर रहते हैं।

2. अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 2025- 21 सितंबर को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र (UN) अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस (IDP) हर साल 21 सितंबर को दुनिया भर में शांति और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। 2025 में इस दिवस का विषय "शांतिपूर्ण विश्व के लिए अभी कार्य करें" था और यह वैश्विक एकता पर प्रकाश डालता है।

• वर्ष 2025, शांति की संस्कृति पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) की घोषणा और कार्य योजना को अपनाने की 26वीं वर्षगांठ है, जिसे दुनिया भर में शांति प्रयासों को मज़बूत करने के लिए पहली बार 1999 में अनुमोदित किया गया था।

• IDP की स्थापना UNGA द्वारा 1981 में प्रस्ताव A/RES/36/67 के माध्यम से की गई थी, जिसमें सितंबर के तीसरे मंगलवार को शांति दिवस के रूप में नामित किया गया था, जो UNGA के उद्घाटन सत्र के साथ मेल खाता है।

• पहला उत्सव 21 सितंबर 1982 को मनाया गया।

Key Points:-

(i) 2001 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव A/RES/55/282 पारित किया, जिसमें प्रत्येक वर्ष 21 सितंबर को आईडीपी के लिए स्थायी तिथि निर्धारित की गई और शत्रुता की समाप्ति के सम्मान में इसे वैश्विक युद्धविराम और अहिंसा दिवस घोषित किया गया।

(ii) जैतून की शाखा लिए कबूतर IDP का सार्वभौमिक प्रतीक है, जो स्वतंत्रता, आशा और प्राचीन परंपराओं से शांति के शाश्वत संदेश का प्रतिनिधित्व करता है।

3. विश्व अल्ज़ाइमर दिवस 2025, 21 सितंबर को मनाया गया।

विश्व अल्ज़ाइमर दिवस (WAD) हर साल 21 सितंबर को अल्ज़ाइमर रोग और मनोभ्रंश के अन्य रूपों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। यह विश्व अल्ज़ाइमर माह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो

वैश्विक स्तर पर शिक्षा और वकालत के प्रयासों का विस्तार करने के लिए पूरे सितंबर में मनाया जाता है।

- **विश्व अल्ज़ाइमर दिवस 2025 इस थीम के साथ मनाया गया: "डिमेंशिया के बारे में पूछें। अल्ज़ाइमर के बारे में पूछें।" यह थीम कलंक को कम करने, शीघ्र निदान को बढ़ावा देने और परिवारों को जानकारी व सहायक देखभाल से सशक्त बनाने के लिए खुले संवाद पर ज़ोर देती है।**

- **यह दिवस पहली बार 1994 में अल्जाइमर रोग इंटरनेशनल (ADI) द्वारा अपनी 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था।**

- **बाद में, 2012 में, वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए 12 देशों में ADI के 2010 के पायलट अभियान के बाद विश्व अल्जाइमर माह की स्थापना की गई।**

Key Points:-

(i) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने मनोभ्रंश को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी है, तथा समन्वित अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई, मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और देखभालकर्ता समर्थन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है।

(ii) ADI द्वारा प्रकाशित विश्व अल्ज़ाइमर रिपोर्ट 2025 का शीर्षक है, "डिमेंशिया के प्रति दृष्टिकोण में वैश्विक परिवर्तन।" यह रिपोर्ट डिमेंशिया को केवल उम्र बढ़ने का एक हिस्सा न मानकर एक चिकित्सीय स्थिति के रूप में देखने की बदलती धारणाओं पर प्रकाश डालती है, साथ ही कलंक और गलत सूचना जैसी चुनौतियों की ओर भी इशारा करती है।

(iii) 2025 की रिपोर्ट में मनोभ्रंश के बढ़ते वैश्विक बोझ से निपटने के लिए मनोभ्रंश-अनुकूल नीतियों में अधिक निवेश, स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के विस्तार और देखभाल करने वालों के लिए मजबूत समर्थन प्रणालियों का आह्वान किया गया है।

Static GK

Gujarat	मुख्यमंत्री (CM) : भूपेन्द्र पटेल	राज्यपाल : आचार्य देव व्रत
Greece	राजधानी: एथेंस	आधिकारिक भाषा: ग्रीक
Andhra Pradesh	मुख्यमंत्री: एन. चंद्रबाबू नायडू	राजधानी: अमरावती
Tripura	मुख्यमंत्री: माणिक साहा राज्यपाल: एन. इंद्रसेना रेड्डी	राज्यपाल: एन. इंद्रसेन रेड्डी
Brazil	राजधानी: ब्रासीलिया	राष्ट्रपति: लुइज़ इनासिओ लूला दा सिल्वा
United Nations Environmental Programme Financial Initiative (UNEP FI)	प्रमुख : एरिक एरिक अशर	मुख्यालय : जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड
Red Panda Network (RPN)	कार्यकारी निदेशक (ED) : अंग फुरी शेरपा	मुख्यालय : यूजीन, ओरेगन, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)
Alzheimer's Disease International (ADI)	मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO): पाओला बारबारिनो	मुख्यालय : लंदन, यूनाइटेड किंगडम (UK)